24/5/24

गढ़वाली भाषा विषय प्रश्न पत्र

(चयनित विषय)

कोड - DUA211 Garhwali Language 1

समय- 2 घंटा *पूर्णांक- 80*

नोट- प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है, प्रत्येक खंड के समक्ष पूर्णांक दिए गए हैं ! प्रश्नों के उत्तर गढ़वाली अथवा हिन्दी में दिये जा सकते हैं !

खंड "अ"(सभी प्रश्न अनिवार्य प्रत्येक प्रश्न एक नम्बर)

१- गढ़वाली भाषा-बोली का मानक क्षेत्र है -

अ- चमोली गढवाल ब- टिहरी गढ़वाल

स- रुद्रप्रयाग व पौड़ी स- उत्तरकाशी

२- फुक्याण शब्द की व्युत्पत्ति हुई है

अ- गिरने से ब- दौड़ाने से

स- आअग लगने से द- बहने से

३- बंगाण भाषा बोली जाती है -

अ- रुद्रप्रयाग में ब- हरिद्वार में

स- टिहरी में स- उत्तरकाशी में

४- गढ़वाल में भोटिया जनजाति का निवास है -

अ- उत्तरकाशी- चमोली ब-रुद्रप्रयाग-पौड़ी

स-पौड़ी-चमोली स-टिहरी- पौड़ी

५- गढ़वाल के कुल गढ़ों की संख्या-

अ- ३७ ब- ५२

स- ४० द- १०५

६- ढुंगा शब्द का अर्थ है

अ- पानी ब- हवा

स- आग द- पत्थर

७- बणान्ग कहाँ लगती है-

अ- मोहल्ले में ब- नदी में

स- जंगल में द- घर में

८- ख़ास पट्टी नामक क्षेत्र कहाँ स्थित है -

अ- पौड़ी में ब- टिहरी में

स- पिथौरागढ़ में द- हल्द्वानी में

९- नागपुर पट्टी स्थित है

अ- श्रीनगर में ब- चमोली में

स- चमोली-रुद्रप्रयाग में द- नैनीताल में

१० फूल संगरांद त्यौहार कब मनाया जाता है -

अ- मार्गशीष महीने में ब- भादौ महीने में

स- चैत्र महीने में द- मोऊ के महीने में

खंड (ब) प्रत्येक प्रशन दो नम्बर सभी अनिवार्य

भाव के अनुसार शब्दों को क्रम से मिलाएं

११ अ- जनु देश - जौ ब- सर्ग कु- धारु

स- पाणी कु - तनी भेष द- गंगा जी का- गेणु

१२ अ- नागपुरी- पौड़ी ब- सलाणी -चमोली रुद्रप्रयाग

स- जौनसारी- कोटद्वार द- भाभरी - जौनसार

१३ अ- अलकनंदा- रुद्रप्रयाग ब- भागीरथी- टिहरी

स- भिलंगना- पौड़ी द- मंदाकिनी - उत्तरकाशी

१४ अ- रुप्प्या- मंगल ब- चाय- पैसा

स- खाणी- मंगल द- कुशल- पेणी

१५ अ- ढोल -बजाणु ब- डमरू -बाजा

स- गाजा- दमौं स- गाना- त्रिशूल

१६ अ- बांज- खुमानी ब- हीसर- मुंगरी

स- काखड़ी- बुरांस द- चूला- किनगोड

१७- चौंसा- अरसा ब- भुज्जी- पकौडा

स-स्वाली- भात द- रोट- रोट्टी

१८- अ- शरम- मुल्क ब-बात- मवार

स- मौ- लाज द- गौं- बिचार

१९ अ- कपड़ा- दूध ब- सौ- लत्ता

ब- बार - सलाह द- घ्यू- त्यौहार

२०- अ- शैर- गुण ब- ऋण- व्यवहार

स- बाटा- बाज़ार द- हवा- घाटा

खंड "स"(कोई आठ प्रश्न प्रत्येक प्रश्न पांच नम्बर)

(पंक्तियों का अर्थ व उसका सार संक्षेप लिखें)

२१ होंदी ब्वे त किले औंदी वें

२२- नि होणया बरखा का बड़ा बड़ा बूंद

२३- आलसी रांड कु पानी कु साग

२४-मेरी गंगा होली त मेमू आली

२५- अप्फु चौड़ा बाज़ार संगडा

२६-किसने फरमाया बल अपने आप

२७- कख जाणी बल नैलिकुंड, मैं भी औंदु नंगा मुंड

२८- सोंण मारी सासू भादोऊ एनी आंसू

१९- भीतर का बाघ भितर का स्याळ

खंड द(कोई एक प्रश्न, एक प्रश्न दस नम्बर)

२०- गढ़वाली भाषा के संरक्षण में विश्वविद्यालय स्तर पर क्या ठोस कार्य किया सकता है उदहारण के साथ विचार करें!

२१- अपने क्षेत्र की मोलिक जानकारी देते हुए इस तर्क को प्रमाणित करें कि संस्कृति, रीति रिवाज़, खान-पान तथा त्योहारों की दृष्टि से वह क्षेत्र सर्वोत्तम है